Report and Accounts (2003-04) of the Maulana Azad Education Foundation, New Delhi and related papers.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI SUBBULAKSHMI JAGADEESAN): Sir, I lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:

(a) Annual Report of the Maulana Azad Education Foundation (MAEF), New Delhi, for the year 2003-2004.

(b) Annaul Accounts of the Maulana Azad Education Foundation (MAEF), New Delhi, for the year 2003-2004 and the Audit Report thereon.

(c) Review by Government on the working of the above Foundation.

(d) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) and (b) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 2359/05]

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Heavy loss of life and property in Mumbai and other parts of Maharashtra due to incessant rains

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): माननीय उपसभापति जी, पिछले एक सप्ताह से मुम्बई और महाराष्ट्र पर एक अप्रत्याशित आसमानी संकट बरसा है। मुम्बई शहर और महाराष्ट्र में मिलकर एक हजार से अधिक जानें गई हैं और हजारों करोड़ का नुकसान हुआ है, जिसका अंदाजा तक लगाना मुश्किल है। इस आसमानी संकट के साथ-साथ जो विभिन्न सरकारी एजेंसियां हैं, ... (व्यवधान)... इस आसमानी संकट के साथ-साथ जो विभिन्न सरकारी एजेंसियां हैं, इनकी असफलता का सुल्तानी संकट भी इसमें जुड़ा है।

उपसभापति जी, शून्यकाल के सीमित समय में इस महा-भयंकर त्रासदी पर चर्चा संभव नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): त्रासदी यह है कि कोई इतनी गंभीर बात को नहीं सुन रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please avoid in-between talks.

श्री प्रमोद महाजन: उपसभापति जी, मैं यह कह रहा था कि शून्यकाल के सीमित समय में मुम्बई और महाराष्ट्र में जो आसमानी त्रासदी हुई है, इसके ऊपर चर्चा संभव नहीं है, लेकिन सदन में इस पर शीघ्र चर्चा होना आवश्यक और अपेक्षित है। हमने स्वयं इस पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया

है, इसलिए मैं आपसे तथा आपके माध्यम से संसदीय कार्य मंत्री से यह मांग करता हूं कि इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर सदन में जितना शीघ्र हो और सद्भाग्य से गृह मंत्री, श्री शिवराज पाटिल जी यहां पर उपस्थित हैं, शायद प्रधान मंत्री जी ने उनको इस ओर ध्यान देने के लिए भी कहा है और मंत्रालय के कार्य विभाजन में भी, खासकर बारिश से जुड़े विषय आप ही के साथ जुड़े हैं और दोनों मंत्रीगण उपस्थित हैं, इसलिए मैं दोनों से प्रार्थना करूंगा कि इस विषय पर, क्योंकि मैं संसदीय कार्य मंत्री रहा हूं, इसलिए तत्काल चर्चा करो, यह तो नहीं कहूंगा, लेकिन जितना जल्दी हो सके, कल या परसों इस विषय पर तुरंत चर्चा करें, ताकि सदस्य विस्तार से अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकें।

श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र): सर, मैंने भी मोशन दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मिनिस्टर साहब रिसपांड कर रहे हैं, उसके बाद ...(व्यवधान)... Let the Government react. ...*(Interruptions)*

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, let the Murali ji make a submission. He is from the Mumbai.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, Mr. Narayanasamy, the matter is same. The Minister is responding. ...*(Interruptions)*

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी. पाटिल): सर, मुम्बई बहुत बड़ा शहर है, डेढ़ करोड़ लोग वहां पर रहते हैं, बारिश भी बहुत हुई है। सम्मानीय सदस्य का कहना दुरुस्त है कि उसके ऊपर चर्चा होनी चाहिए। हम कभी भी चर्चा के लिए तैयार हैं। अगर कल चर्चा होनी है तो हम कल के लिए तैयार हैं।

श्री प्रमोद महाजन: सर, कल ही कल लें तो अच्छा होगा क्योंकि जितनी ज्यादा देर करेंगे ... (व्यवधान)... कल ही कर लें।

श्री शिवराज वी. पाटिल: कल कर लेते हैं।

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, ...*(Interruptions)*

Mr. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, the Minister has agreed to take up the discussion. We will take it up.

SHRI PRAMOD MAJAJAN: Sir, he has agreed to take up the discussion tomorrow. So, I request you to kindly add it for tomorrow.

Recent incidents of terrorist acts in the country

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): धन्यवाद उपसभापति महोदय, पिछले सप्ताह बुधवार को इस सदन में आतंकवाद के ऊपर चर्चा हुई थी। नेता विपक्ष ने उस चर्चा का प्रारम्भ करते हुए आतंकवाद की बढ़ती हुई घटनाओं की तरफ सरकार का ध्यान आकृष्ट किया था किन्तु गृह मंत्री जी ने चर्चा का उत्तर देते समय कई तरह के आंकड़ों का हवाला देकर यह सिद्ध करने की कोशिश